

प्राथमिक शिक्षक

वर्ष 44

अंक 1

जनवरी 2020

इस अंक में

संवाद		3
लेख		
1. भारत के दक्षिण क्षेत्र में प्राथमिक स्तर पर हिंदी भाषा पाठ्यपुस्तकों में दृश्य चित्रण का अध्ययन	रमेश कुमार	5
2. संस्कृत अध्यापन कौशल विकास में नवीन तकनीक की भूमिका	उषा शुक्ला	14
3. वाह! क्या दिन हैं?	सरोज यादव	20
4. कहानियाँ और साझा लेखन	रजनी	24
5. गणित में गलतियों से सीखने के अवसर	शिल्पा जायसवाल रूही फातिमा	28
6. सामाजिक विज्ञान विषय की उपलब्धि पर आगमनात्मक प्रशिक्षण प्रतिमान की प्रभावशीलता	शिरीष पाल सिंह दीपमाला	35
7. बच्चों की शिक्षा में माता-पिता एवं अभिभावकों की भूमिका	नरेश कुमार	48
8. सामाजिक सरोकार के मुद्दे और विद्यालय की अधिगम-संस्कृति	ऋषभ कुमार मिश्र रवनीत कौर	56
9. आम के बाद गुठली आती है!	उषा शर्मा	64
10. कहानी निर्वाचन का शैक्षिक महत्व	तनुजा मेलकानी शुभ्रा पी. काण्डपाल	76

विद्यया ऽ मृतमश्नुते



विद्या से अमरत्व
प्राप्त होता है।

परस्पर आवेष्टित हंस राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् (एन.सी.ई.आर.टी.) के कार्य के तीनों पक्षों के एकीकरण के प्रतीक हैं—

(i) अनुसंधान और विकास,

(ii) प्रशिक्षण, तथा (iii) विस्तार।

यह डिजाइन कर्नाटक राज्य के रायचूर जिले में मस्के के निकट हुई खुदाइयों से प्राप्त ईसा पूर्व

तीसरी शताब्दी के अशोकयुगीन भग्नावशेष के आधार पर बनाया गया है।

उपर्युक्त आदर्श वाक्य ईशावास्य उपनिषद् से लिया गया है जिसका अर्थ है—
विद्या से अमरत्व प्राप्त होता है।

- | | | | |
|-----|--|---------------|----|
| 11. | कार्यरत शिक्षकों के प्रशिक्षण के लिए
“निष्ठा” कार्यक्रम एक अनूठा प्रयास | रा.शै.अ.प्र.प | 82 |
|-----|--|---------------|----|

विशेष

- | | | | |
|-----|-----------------------------------|--|----|
| 12. | बुनियादी साक्षरता एवं संख्याज्ञान | | 92 |
|-----|-----------------------------------|--|----|

बालमन कुछ कहता है

- | | | | |
|-----|----------------------|----------------|-----|
| 13. | विद्यालय की स्वच्छता | खुशाल गोस्वामी | 102 |
|-----|----------------------|----------------|-----|

कविता

- | | | | |
|-----|-------|-------------|-----|
| 14. | राहें | अंशुमन दुबे | 103 |
|-----|-------|-------------|-----|